पाठ 7. दिवाली की सच्ची खुशी

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य त्योहार के बारे में जानकारी देते हुए आपसी मेल-जोल, प्रेम एवं परोपकार की सीख देना है। त्योहार खुशी और उल्लास का माहौल पैदा करते हैं। इनसे एक-दूसरे से खुशियाँ बाँटने का मौका मिलता है।

पाठ का सारांश

दिवाली कार्तिक के महीने में मनाई जाती है। यह पूरे भारत का त्योहार है। लोग हफ़्तों पहले घर की साफ़-सफ़ाई में लग जाते हैं। साल में एक बार आने वाला यह त्योहार लक्ष्मी के आगमन का त्योहार माना जाता है। लक्ष्मी उसी घर में जाना पसंद करती है जहाँ साफ़-सफ़ाई हो। इसलिए अंजू, शोभा और राकेश की माँ कई दिनों से घर की साफ़-सफाई, नए कपड़े और मिठाइयाँ खरीदने में लगे हैं। माँ उन्हें दिवाली का महत्त्व समझाती हैं। माँ बच्चों को बताती है कि मिट्टी के दीये ही लक्ष्मी को पसंद है। इनकी रोशनी आँखों को सुख देने वाली होती है। दिवाली का दिन आ गया। माँ ने शोभा को रंगोली बनाने का काम सौंपा। अंजू और राकेश हर काम में हाथ बँटाना चाहते थे। उन्होंने दादी और माँ के साथ कभी गुझिया बनवाई तो कभी शोभा के साथ रंगोली में रंग भरने में मदद की। सभी ने मिलकर दिये जलाए। मिठाई के डिब्बे बाँटने में बच्चों को खूब मज़ा आता है। दिवाली का त्योहार भगवान राम के चौदह वर्ष बाद अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया गया था। तब से आज तक कार्तिक की अमावस के दिन यह त्योहार मनाया जाता है। अंजू फुलझड़ी लिए खड़ी थी और राकेश अनार चलते हुए देख रहा था। तभी तीन-चार गरीब बच्चे आए, माँ ने उन्हें मिठाई और कुछ पटाखे दिए। उन बच्चों के चेहरे खुशी से खिल गए। यही तो दिवाली की सच्ची खुशी है।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे गए प्रश्नों पर चर्चा करें। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से भी एक-एक अंश का पठन करवाएँ। उन्हें त्योहारों का महत्त्व समझाएँ। बच्चों को पटाखों से होने वाले प्रदूषण के बारे में बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें, वे त्योहार कैसे मनाते हैं?
- क्या वे गरीब बच्चों की मदद करते हैं?
- क्या वे घर के कामों में अपनी माँ की सहायता करते हैं?
- भारत में कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं? सूची तैयार कीजिए।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।